

[श्री युवराज]

आवश्यकता होगी। आपको जान कर आश्चर्य होगा कि बिहार की सरकार ने तीन-तीन प्रोजेक्ट रिपोर्टें केन्द्रीय सरकार के पास भेजी हैं। तेनूघाट थर्मल पावर स्टेशन जिसको केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण ने और प्लानिंग कमीशन ने सिद्धान्ततः मान भी लिया है लेकिन उस पर भी स्वीकृति नहीं दी गई है।

मुजफ्फरपुर में एक थर्मल पावर स्टेशन के लिये बिहार सरकार की ओर से सिफारिश की गई थी। उसकी प्रोजेक्ट रिपोर्ट भी 1971 से केन्द्रीय विद्युत प्राधिकार के समक्ष पड़ी हुई है। उपाध्यक्ष महोदय, आपको यह जान कर ताज्जुब होगा कि कहल गांव की योजना, जिसकी घोषणा पिछले सत्र में हमारे एनर्जी मिनिस्टर ने की थी और जिसे बिहार सरकार ने समर्थित किया था, वह भी आज खटाई में पड़ी हुई है।

इन तमाम बातों की तरफ मैं इस माननीय सदन का ध्यान इसलिये आकर्षित करना चाहता हूं कि जिस उत्तर बिहार की अर्थव्यवस्था का मेरुदण्ड कृषि है, जिस दक्षिणी बिहार में छोटे और बड़े उद्योग हैं—वहां बिजली की कमी के कारण सारे उद्योग और खेती बर्बाद होने लगी है। हमारी ये तमाम योजनायें, जिनको बिहार की सरकार ने समर्थित किया है, केन्द्र की शिथिलता के कारण या यों कहा जाये कि प्लानिंग कमीशन के अफसरों के काम करने के तरीके के कारण उनकी जो अव्यवहारिक प्रक्रिया है उसके कारण, जो बिहार इस देश में सबसे ज्यादा रायल्टी देता है, उसकी सारी कृषि और सारे उद्योग ठप्प पड़ गये हैं।

इन शब्दों के हाव इस समस्या पर मैं सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।

14.56 hrs.

(ii) RESENTMENT DUE TO NON RESUMPTION OF BHAGALPUR-BIHUPUR RAIL AND STEAMER SERVICE

डा० रामजी सिंह (भागलपुर) :
उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक विशेष परिस्थिति की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। अभी-अभी हम लोगों ने कानपुर में 11 व्यक्तियों की मृत्यु के विषय में सुना था, मैं ऐसा तो नहीं कह सकता कि मैं जिस बात का उल्लेख कर रहा हूं कि वहां ऐसी कोई दुर्भाग्यपूर्ण या दुखांत घटना होगी, लेकिन भागलपुर जिले में बीहपुर से लेकर भागलपुर तक जो रेल गाड़ी पिछले 85 वर्षों से चल रही थी, न जाने किस कारण से उसको इस साल बन्द कर दिया गया। पिछले 8 महीनों से मैं इस सदन में और इस सदन के बाहर पत्रों के द्वारा भी सरकार का ध्यान आकृष्ट करता आ रहा हूं, लेकिन वह गाड़ी अभी तक नहीं लौटाई गई है। फलस्वरूप उस क्षेत्र में जन-विक्षोभ और जन-आक्रोश बहुत बढ़ रहा है।

10 नवम्बर को वहां लगभग बीस हजार जनता इकट्ठी हुई थी, लोगों ने मांग की कि 85 वर्षों से जो रेलवे लाइन और स्टीमर चले आ रहे थे, उन को बन्द न किया जाय। दुर्भाग्य की बात तो यह है कि रेल मंत्री और रेलवे के महाप्रबन्धक ने भी यह आश्वासन दिया था—अपने पत्र में, कि वह गाड़ी शीघ्र चालू हो जायगी, लेकिन नौकरशाही न जाने किस कुत्सित षड्यंत्र में पड़ कर अभी तक उस गाड़ी को चालू करवाने में अपनी पहल नहीं करवा रही है। पिछले 4 दिसम्बर के दिन वहां के लोगों ने मिल कर ट्रेन का चक्का जाम करने की योजना बनाई थी, जिससे किसी भी समय हिंसा भड़क सकती थी। वहां के प्रतिनिधि वहीं आये थे, मैंने उन्हें रेल मंत्री जी से मिलाया था, प्रधान मंत्री जी

से भी वे लोग मिले थे और उनके आश्वासन पर वे लोग रुक गये हैं।

मेरा इतना ही कहना है कि छोटी बातों को हम समय रहते नज़रअन्दाज़ कर देते हैं तो वह आग भड़क कर कानपुर बन जाती है इसलिए, उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से और खास कर रेल मंत्रालय से यह कहना चाहता हूँ कि समय रहते इसको जल्द से जल्द चालू करायें। यह मामला देखने में क्षेत्रीय लगता होगा, लेकिन इसका सम्बन्ध उत्तर और दक्षिण बिहार से है। शायद आप को मालूम होगा—गंगा नदी पर रेल का पुल—एक वाराणसी में है, दूसरा बक्सर में है, तीसरा पटना में बन रहा है और चौथा पुल फरक्का में है। इस बीच में गंगा नदी पर कोई पुल नहीं है। दक्षिण बिहार के छोटा नागपुर के सभी जिलों और भागलपुर तथा उत्तर बिहार के सहरसा, पूर्णिया और आसाम से सम्बन्ध रखने वाली केवल यही रेलवे लाइन और स्टीमर था। लेकिन इसको बन्द किया जा रहा है। पिछले साल यह छः महीने तक बन्द रही और इस साल अभी चालू भी नहीं हुई है जब कि इसके बारे में आश्वासन मिला था। उपाध्यक्ष महोदय ...

15.00 hrs.

जनता की इस वाजिब मांग को अगर सरकार आश्वासन दे कर भी समय रहते पूरा नहीं करेगी; और नौकरशाही की साजिश में पड़ कर अगर वहां कोई भी ध्वंस लीला होगी, तो इसकी सम्पूर्ण ज़िम्मेदारी सरकार पर होगी। इसलिए मैं सरकार का ध्यान इस तरफ आकर्षित करना चाहता हूँ।

15.01 hrs.

MOTION *RE*: REPORT (1974) OF COMMISSION OF INQUIRY INTO THE DISAPPEARANCE OF NETAJI SUBHAS CHANDRA BOSE—*Contd.*

SHRI DHIRENDRANATH BASU (Katwa): Mr. Deputy-Speaker, Sir, the demand to scrap the report of the Khosla Commission is a demand of the people of India and of the people of democratic countries in the world. The Khosla Commission's report should not only be scrapped, but also be burnt to ashes.

It has been proved beyond doubt from facts and figures that that report is not correct. In the Khosla Commission's report it has been stated that the fact that there was an air crash on 18th August 1945 of the plane in which Netaji was travelling, was an evidence that Netaji died in that air crash. But it is not a fact. This was scrutinised by different organizations and by different committees, and it was found baseless.

Mr. Deputy-Speaker Sir, you will remember that the British Government have not accepted any report that Netaji had died. During the time of Lord Wavell—who was the Viceroy of India—he formed three investigation committees and the reports of those committees differed from each other. There were three different opinions found in the reports *viz.* of the Figgess team, Finney's team and the Combined Services Detailed Intelligence Centre (CSDIC). The reports of these 3 teams stated, and proved that Netaji did not die in the plane crash. They did not accept that position. Whether Netaji is alive or dead, what we want is a proper and true enquiry. We want to have an enquiry committee with the Members of Parliament and experts which should investigate into the matter. You will find very objectionable remarks in Mr. Khosla's report. Those remarks are insulting not only to the Members of this House, but also to the people of India. Netaji was and is the greatest revolutionary in the world, as stated by our late Prime Minister Lal Bahadur Shastri, while unveiling his statue in the Calcutta Maidan. In Mr. Khosla's report, you will find it mentioned that people of some countries felt that Netaji was a puppet in the hands of the Japanese. It is a shame. He also said that Netaji was a pawn, he was a quisling, he had no self-respect and that he had no followers at the end of the war. Is it expected of a Commission, appointed by a civilised government of a country, to make such remarks? The Khosla Commission, I should say with all